

नगर निकाय चुनाव 2026 : पहले चरण के लिए बूंदी, इन्द्रगढ़, केशोरायपाटन और देई में मतदान आज

बूंदी, (निसं)। जिले में नगर निकाय चुनाव 2026 के पहले चरण के तहत बुधवार को नगर परिषद बूंदी के साथ-साथ नगर पालिका इन्द्रगढ़, देई और केशोरायपाटन में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। पहले चरण में बूंदी नगर परिषद, नगरपालिका देई, इन्द्रगढ़ व केशोरायपाटन के 1 लाख 27 हजार 13 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चारों नगर निकाय क्षेत्रों में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि मतदाता बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

पहले चरण के मतदान के लिए 159 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें बूंदी नगर परिषद के 94, केशोरायपाटन के 25, देई के 20 तथा इन्द्रगढ़ के 20 मतदान केन्द्र शामिल हैं। नगर परिषद बूंदी में कुल मतदाता 92,113 हैं। इनमें 46,212 पुरुष व 45,901 महिला मतदाता शामिल है। इन्द्रगढ़ नगर पालिका में कुल मतदाता 4,856 है। इनमें 2,445 पुरुष तथा 2,411 महिला मतदाता शामिल है। केशोरायपाटन नगर पालिका में कुल मतदाता 20,089 हैं। इनमें 9,991 पुरुष व 10,098 महिला मतदाता



मतदान दलों की ईवीएम व चुनाव से जुड़ी अन्य आवश्यक चुनाव सामग्री का वितरण किया गया जिसके बाद वे अपने-अपने मतदान केन्द्रों के लिए रवाना हुए।

शामिल है। देई नगरपालिका में कुल मतदाता 9,955 है। इनमें 5,017 पुरुष तथा 4,938 महिला मतदाता शामिल है।

मतदान दल केन्द्रों के लिए रवाना:- मतदान के लिए केंद्रों पर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिले की बूंदी नगर परिषद सहित केशोरायपाटन, देई व इन्द्रगढ़ नगर पालिकाओं में बुधवार सुबह 7 बजे से

शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे। बूंदी नगर परिषद के 60 वार्डों के लिए नियुक्त मतदान दलों का द्वितीय प्रशिक्षण मंगलवार को शहर के राजकीय पीएमश्री विद्यालय प्रांगण में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी हरफूल सिंह यादव ने मतदान दलों को पूरी सजगता एवं सतर्कता के साथ निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके

से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

जिला पुलिस अधीक्षक अजीनश कुमार शर्मा ने मतदान दलों के साथ नियुक्त पुलिस जाब्त और कानून-व्यवस्था की स्थिति को सुचारु रखने की जानकारी दी। उन्होंने कार्मिकों से निर्भीक एवं निश्चित होकर चुनाव संपन्न कराने का आह्वान किया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) रमेश देव व बूंदी रिटर्निंग अधिकारी

■ चार नगर निकाय क्षेत्रों के 1.27 लाख से अधिक मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे

लक्ष्मीकांत मीणा भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण के दौरान दक्ष प्रशिक्षक चंद्रप्रकाश राठौर, भूपेंद्र शर्मा व नवनीत जैन ने मतदान कर्मियों को आवश्यक प्रपत्रों के साथ ईवीएम (कंट्रोल व बैलेट यूनिट) के संचालन की बारीकियां समझाईं। प्रथम मतदान अधिकारी मतदाता के पास उपलब्ध वैध फोटोयुक्त पहचान पत्र से उसकी पहचान सुनिश्चित करेंगा।

द्वितीय मतदान अधिकारी पहचान सुनिश्चित होने के बाद मतदाता रजिस्टर में हस्ताक्षर करवाएगा और बाएं हाथ की तर्जनी अंगुली पर अमिट स्याही का निशान लगाएगा। तृतीय मतदान अधिकारी के पास पास बैलेट यूनिट की जिम्मेदारी रहेगी। प्रशिक्षण के बाद मतदान दलों को ईवीएम व चुनाव से जुड़ी अन्य आवश्यक चुनाव सामग्री का वितरण किया गया, जिसके बाद वे निर्धारित वाहनों से अपने-अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए।

संभागीय आयुक्त व आईजी ने वीसी के जरिए की मतदान व्यवस्थाओं की समीक्षा की

बूंदी, (निसं)। संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल व आईजी हरेंद्र महावर ने नगरीय निकाय चुनाव, 2026 के तहत मंगलवार को नगर परिषद बूंदी, नगरपालिका इन्द्रगढ़ देई व केशवरापाटन में होने वाले मतदान के लिए की गई व्यवस्थाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की।

बैठक में संभागीय आयुक्त ने निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहे जायें। मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त रोशनी, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं रहे। इसके अलावा विभिन्न समाचार पत्रों व सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों को नियमित मॉनिटरिंग की जावें।

उन्होंने निर्देश दिए कि बेहतर समन्वय के साथ जिले में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन केन्द्रों पर आदर्श आचार संहिता की शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित कराई जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारों व कर्मचारी उन्हें सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। आईजी हरेंद्र महावर ने जिला पुलिस अधीक्षक को मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि मतदान के दिन कोई भी व्यक्ति (यह प्रतिबंध चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा) मतदान केंद्र से 100 मीटर

“ फिजियोथैरेपी के नाम पर झोलाछापों का खेल बंद हो, हर थैरेपिस्ट का पंजीकरण अनिवार्य करें”

कोटा, (निसं)। फिजियोथैरेपी के नाम पर बिना पर्याप्त प्रशिक्षण के इलाज करने वालों पर कार्रवाई और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर द इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट्स (आईएपी) की डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ने मंगलवार को मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

संगठन ने राजस्थान राज्य संबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख परिषद (एनसीएचपी स्टेट कार्डसिल) के गठन की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से लागू करने और डिग्रीधारक फिजियोथेरेपिस्ट के अनिवार्य पंजीकरण के लिए पोर्टल तत्काल शुरू करने की मांग की। आईएपी के डिस्ट्रिक्ट कन्वीनर अध्यक्ष डॉ.दिनेश कुमार शर्मा (पीटी) एवं सचिव डॉ.जसविंदर सिंह (पीटी) ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कार्डसिल के गठन और पंजीकरण व्यवस्था में देरी का फायदा अप्रशिक्षित

■ मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, राजस्थान में एनसीएचपी स्टेट कार्डसिल के गठन और रजिस्ट्रेशन पोर्टल जल्द शुरू करने की मांग

लोग उठा रहे हैं। फिजियोथेरेपी के नाम पर बिना पर्याप्त योग्यता इलाज किए जाने से मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो सकता है। वहीं, विधिवत डिग्री प्राप्त फिजियोथेरेपिस्ट भी इससे प्रभावित हो रहे हैं।

फर्जी डिप्लोमा वालों पर कार्रवाई की मांग:- आईएपी पदाधिकारियों ने कहा कि पंजीकरण व्यवस्था शुरू होने से मरीजों को यह पहचानने में आसानी होगी कि कौन

16 फीट लंबे और 10 फीट ऊंचे मूषक पर सवार होंगे गणपति महाराज

कोटा, (निसं)। पुरोहित नगर न्यूरेलवे कॉलोनी स्थित तिरंगा चौराहा इस बार गणेशोत्सव के दौरान आस्था और भव्यता का अनूठा केंद्र बनने जा रहा है। पटरी पार क्षेत्र में बालाजी नवयुवक मंडल, तिरंगा चौराहा की ओर से पिछले 10 वर्षों से गणेश प्रतिमा को रथ्यापना की जा रही है। इस बार मंडल ने गणेश भक्तों के लिए विशेष और आकर्षक प्रतिमा तैयार करवाई है, जो क्षेत्रवासियों के साथ-साथ कोटा शहर के लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र होगी।

अजय त्रिवेदी ने बताया कि मंडल की ओर से इस बार करीब 20 फीट की विशाल गणेश प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा की सबसे खास बात यह होगी कि भगवान गणपति महाराज करीब 16 फीट लंबे और 10 फीट ऊंचे विशाल मूषक की सवारी करते हुए नजर आएंगे। विशाल मूषक के साथ गणपति महाराज की भव्य प्रतिमा को विशेष स्वरूप दिया गया है, जिससे यह गणेशोत्सव की प्रमुख आकर्षणों में शामिल होगी। इसकी अंतिम रचना की जा रही है, प्रतिमा को तैयार रूप दिया जा रहा है। त्रिवेदी ने बताया कि 14 सितंबर को विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ गणपति महाराज को तिरंगा चौराहा

पर विराजमान किया जाएगा। स्थापना से पहले धार्मिक अनुष्ठान और पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रतिमा के दर्शन की व्यवस्था रहेगी। मंडल से जुड़े सदस्यों ने बताया कि प्रतिमा को विशेष रूप से इस प्रकार तैयार कराया गया है कि दूर से ही इसकी भव्यता नजर आए। विशाल मूषक पर विराजमान गणपति महाराज का स्वरूप श्रद्धालुओं के बीच कौतूहल और आस्था का केंद्र बनेगा।

बालाजी नवयुवक मंडल के सदस्यों ने बताया कि मंडल पिछले एक दशक से गणेशोत्सव को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाता आ रहा है। हर वर्ष कुछ नया और विशेष करने का प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में इस बार विशाल गणेश प्रतिमा और विशाल मूषक की सवारी को विशेष आकर्षण बनाया गया है। आयोजकों का कहना है कि गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने का भी माध्यम है। तिरंगा चौराहा पर आयोजित होने वाले इस गणेशोत्सव में क्षेत्र के युवा और स्थानीय नागरिक बहु-चदकर भाग लेते हैं।

खाद वितरण का नया नियम किसानों के लिए संकट बना

कोटा, (निसं)। सरकार द्वारा खाद वितरण को लेकर लागू की नई व्यवस्था फार्मर आईडी और टोकन सिस्टम किसानों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है इस व्यवस्था के कारण किसानों को समय पर जरूरत के लिए खाद नहीं मिल रहा साथ ही 50 किलोमीटर की दूरी की दुकानों पर नंबर आ रहा है वहां पहुंचने पर भी खाद डीएपी यूरिया मिलने की कोई गारंटी नहीं है साथ में अटैच मेंट भी दिया जा रहा। इस व्यवस्था को समाप्त कर पुरानी व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर हाड़ौती के युवा किसान नेता गिरांज गौतम ने कृषि मंत्री को पत्र भेजकर इस व्यवस्था तुरंत समाप्त करने की मांग की गिरांजगौतम ने कहाकि हमने अटैचमेंट खत्म करने की मांग की थी सरकार ने तो खाद ही समाप्त कर दिया।

उन्होंने कहा की इस नई व्यवस्था से किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार पर्याप्त खाद डीएपी यूरिया नहीं मिल रहा जिससे उसकी फसल पड़त रखने की नौबत आ गई है साथ ही टोकन सिस्टम में किसानों को खाद के लिए जो दुकानें आवंटित हो रही है वो 50

किलोमीटर अधिक दूरी पर है किसानों को 2 से 4 कट्टे लेने के लिए कियाया लगाकर जाना पड़ा रहा है। वहां पहुंचने पर भी किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पाता कभी दुकान बंद का बहाना लगा दिया जाता है कभी स्टॉक खत्म होने की बात सामने आती है 48 घंटे में टोकन की सीमा समाप्त हो जाती है जहां खाद दिया जा रहा है वहां पर जबरन अटैचमेंट साथ लगाया जा रहा है इससे किसान काफी परेशान है। गिरांज गौतम ने कहा कि इस जटिल प्रक्रिया से किसानों को खेती से दूर किया जा रहा है आने वाले समय में अगर किसानों को समय पर पर्याप्त जरूरत अनुसार खाद नहीं मिलेगा तो किस को मजबूरन खेती छोड़ने पड़ेगी इसलिए इस

चुनाव ड्यूटी में नियुक्त कार्मिकों ने डाक मतपत्र से मतदान किया

बूंदी, (निसं)। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के पहले चरण के तहत चुनाव ड्यूटी में सेवाएं देने वाले अधिकारी और कर्मचारी भी लोकतंत्र के पर्व में पीछे नहीं रहे। मंगलवार को जिले में चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों ने डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) सुविधा का उपयोग कर पूरे उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिले के डाक मतपत्र प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी के अनुसार, जिले की चार प्रमुख नगर निकायों बूंदी नगर परिषद, नगरपालिका केशोरायपाटन, देई और इन्द्रगढ़ के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराई गई। कार्मिकों में मतदान को लेकर भारी जागरूकता देखने को मिली। 95 कार्मिकों ने डाक मतपत्र से अपने मत का प्रयोग कर अपनी जिम्मेदारी निभाई। निर्वाचन विभाग द्वारा कार्मिकों की सुगमता के लिए स्थापित सुविधा केंद्रों पर दिनभर मतदान हुआ।

■ किसानों ने कृषि फार्मर आईडी और टोकन सिस्टम व्यवस्था खत्म करने की मांग को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखा

किलोमीटर अधिक दूरी पर है किसानों को 2 से 4 कट्टे लेने के लिए कियाया लगाकर जाना पड़ा रहा है। वहां पहुंचने पर भी किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पाता कभी दुकान बंद का बहाना लगा दिया जाता है कभी स्टॉक खत्म होने की बात सामने आती है 48 घंटे में टोकन की सीमा समाप्त हो जाती है जहां खाद दिया जा रहा है वहां पर जबरन अटैचमेंट साथ लगाया जा रहा है इससे किसान काफी परेशान है। गिरांज गौतम ने कहा कि इस जटिल प्रक्रिया से किसानों को खेती से दूर किया जा रहा है आने वाले समय में अगर किसानों को समय पर पर्याप्त जरूरत अनुसार खाद नहीं मिलेगा तो किस को मजबूरन खेती छोड़ने पड़ेगी इसलिए इस

सीएम का रोड शो था या वार्ड की नुक्कड़ सभा : धारीवाल

कोटा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कोटा रोड शो के बाद पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। धारीवाल ने मुख्यमंत्री के रोड शो को सुपर फ्लॉप शो करार देते हुए सबाल उठाया कि यह मुख्यमंत्री का रोड शो था या वार्ड की नुक्कड़ सभा। धारीवाल ने कहा कि जनता को गुमराह करने वालों को अलग जनता सबक सिखाने लगी है। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनाव में जनता बीजेपी को जवाब देगी और कांग्रेस के पक्ष में जनानदेश देगी। पूर्व मंत्री ने बीजेपी के ढाई साल में कोटा में 9 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने के दावे पर भी सबाल उठाया। धारीवाल ने कहा कि बीजेपी को सिर्फ दावा नहीं करना चाहिए, बल्कि 9 हजार करोड़ के कार्मों की पूरी लिस्ट भी जनता के सामने रखनी चाहिए। धारीवाल ने कहा कि बीजेपी सरकार के ढाई साल के कार्यकाल को जनता देख चुकी है। अब जनता खुद तय करेगी कि किसने विकास किया और किसने सिर्फ दावे

■ **सीएम के रोड शो पर शांति धारीवाल का हमला**

■ **जनता गुमराह करने वालों को सबक सिखायेगी**

■ **9000 करोड़ के कार्मों की लिस्ट भी बताए बीजेपी**

किए। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में कांग्रेस को जनता का समर्थन और जनानदेश मिलेगा। धारीवाल ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने जो विकास कार्य और घोषणाएं की थीं, उन्हें सरकार में रहते हुए पूरा किया। धारीवाल ने कोटा की जनता कांग्रेस के विकास कार्यों को देख चुकी है और अब बीजेपी के ढाई साल के कामकाज की तुलना भी जनता के सामने हैं।

स्वच्छ हरित बूथ का सीईओ जिला परिषद ने निरीक्षण किया

बूंदी (निसं)। नगरनिकाय आम चुनाव 2026 के तहत आयोजित मतदान दिवस के अवसर पर जिले के चयनित 8 मतदान बूथों पर स्वच्छ हरित बूथ स्थापित कर आमजन के बीच स्वच्छता का संदेश दिया जायेगा।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी चारु ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत दोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वच्छ हरित बूथ का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इनके माध्यम से मतदाताओं में स्वच्छता को लेकर जागरूकता लाई जावेगी। विभागीय निर्देशानुसार जिले की प्रत्येक नगर निकाय में एक “स्वच्छ हरित बूथ” बनाया गया है। इन केंद्रों पर गुला (जैविक) कचरा, सूखा कचरा, सेनेटरी कचरा व हानिकारक कचरे को एकत्र, संग्रहित व निस्सारित करने के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि चयनित मतदान बूथों पर स्वच्छता का संदेश देते हुए प्रवेश द्वार सहित स्वच्छता प्रवेश गैलरी, वेस्ट ड्र आर्ट मेनेजमेंट, नेचुरल पौधे, प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन बॉटल, स्वच्छता संदेश रंगोली व मोबाईल टॉयलेट फैसिलिटी की भी व्यवस्था की जावेगी।

नगर पालिका आम चुनाव 2026 के तहत नगर परिषद बूंदी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चौगान गेट, नगर पालिका क्षेत्र के0 पाटन में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालिका, कारेन में उप तहसील, लाखेरी में एसीसी स्कूल नयापुरा, इन्द्रगढ़ में जनजातीय छात्रावास, देई में महात्मा गांधी विद्यालय (नवीन), नैनावा में बस स्टैंड के पास पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा हिण्डोली में तालाब की पाल के पास स्वच्छता का संदेश देते हुए स्वच्छ हरित बूथ का निर्माण करवाया गया है।

कोटा के चिकित्सकों, स्टाफ सदस्यों एवं रोगियों के परिजनों ने नेत्रदान का संकल्प लिया

■ नेत्रदान की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए डॉ. सुरेश पाण्डेय एवं डॉ. विदुषी शर्मा का सम्मान किया गया

एवं मानवीय महत्व पर अपने विचार साझा किए। सुवि नेत्र चिकित्सालय की ओर से निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. एस.के.गुप्ता, डॉ. निगुण बारगेवा तथा डॉ. सुभाष गुप्ता ने सहभागिता की। इसके साथ ही वाराणसी की डॉ.दीप्ति सिंह, नागपुर के डॉ.धन रंशमुख तथा यवतमाल, महाराष्ट्र के डॉ.आशीष तायदे ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। नेत्रदान की मुहिम को निरंतर आगे बढ़ाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के लिए डॉ. सुरेश पाण्डेय एवं डॉ.विदुषी शर्मा का आई बैक सोसायटी, कोटा के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्टॉफ सदस्यों और रोगियों के परिजनों ने नेत्रदान से जुड़ी प्रक्रिया, समय-सीमा और ध्रांतियों के बारे में प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल भाषा में समाधान

किया। आई बैक सोसायटी के अध्यक्ष डॉ.के.के.कंजोलिया एवं वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ.सुरेश पाण्डेय ने कहा कि नेत्रदान मानवता की उन महान सेवाओं में से है, जिसमें जीवन की अंतिम विदाई भी किसी दूसरे व्यक्ति के लिए नई सुबह बन सकती है। मृत्यु के बाद भी किसी व्यक्ति की आँखों की रोशनी किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा का दीप जला सकती है। उन्होंने कहा कि नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि करुणा, संवेदनशीलता और मानव सेवा की ऐसी विरासत है, जो व्यक्ति के जाने के बाद भी जीवित रहती है। डॉ. एस.के. गुप्ता और डॉ.निगुण बारगेवा ने कहा कि कार्निआ संबंधी अंधत्व से पीड़ित अनेक लोगों के लिए कार्निआ प्रत्यारोपण नई दृष्टि का माध्यम बन सकता है। डॉ.सुभाष गुप्ता ने कहा कि मृत्यु के बाद समय पर नेत्रदान और परिवार की सहर्माति अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

किसी परिवार द्वारा द्रुख की घड़ी में लिया गया संवेदनशील निर्णय किसी दूसरे परिवार के जीवन में वर्षों की रोशनी ला सकता है। डॉ.अमित सिंह राठौड़, के.बी.नंदवाना और ब्रजेश

विजयवर्गीय ने कहा कि नेत्रदान को लेकर समाज में आज भी अनेक ध्रांतियां और अनावश्यक आशंकाएं हैं, जिन्हें वैज्ञानिक जानकारी और जनसंवाद से दूर किया जा सकता है।

समाजसेवी संदीप चांदीवाला ने कहा कि नेत्रदान सेवा और परोपकार का ऐसा संकल्प है, जो समाज को संवेदनशील और मानवीय बनाता है। अपना घर आश्रम के सतीश गुप्ता ने कहा कि जरूरतमंद की सहायता ही सच्ची मानव सेवा है और मरणोपरांत नेत्रदान कर किसी अनजान व्यक्ति को दृष्टि देना सेवा की सर्वोच्च अभिव्यक्तियों में से एक है। समारोह में युवाओं एवं परिवारों से अपील की गई कि वे अपने घरों में नेत्रदान के विषय पर खुलकर चर्चा करें और इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं। यह भी संकल्प लिया गया कि नेत्रदान जागरूकता को केवल पखवाड़े तक सीमित न रखकर वर्षभर सामाजिक अभियान के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा।

कार्यक्रम का समापन इस भावपूर्ण संदेश के साथ हुआ, नेत्रदान महादान। जीते जी रक्तदान, मरणोपरांत नेत्रदान। अपना एक संकल्प, किसी की आँखों में नई सुबह बन सकता है।